Dainik Jagran

Date: 21/06/2017 **Page No: 11** **Location: Main** **Circulation: 13000**

Edition: Kolkata

The first TAVI treatment of eastern India done in AMRI Hospital

एएमआरआइ में हुआ पूर्वी भारत का पहला टीएवीआइ

जागरण संवाददाता, कोलकाता : पूर्वी भारत का पहला ट्रांस एयोर्टिक वाल्व इंप्लांटेशन (टीएवीआइ) एएमआरआइ में अस्पताल में वरिष्ठ कार्डियक सर्जन डॉ पीके हाजरा के नेतृत्व में डॉक्टरों की एक टीम ने किया। डॉ. हाजरा ने बताया कि 86 वर्षीया महिला व 58 वर्षीय पुरुष का टीएवीआइ किया गया और मरीज की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ। तीसरे दिन उन्हें अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई। डा हाजरा ने टीएवीआइ को नवीनतम अत्याधुनिक हार्ट बॉल्व रिप्लेसमेंट प्रौद्योगिकी की पेशकश करार दिया है। इस प्रत्यारोपण की खासियत को बताते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में न्यूनतम आक्रामक कार्यपद्धति के जरिए रोगग्रस्त (अस्वस्थ) एयरोटिक हार्ट बॉल्व को बदला जाता है। इसके लिए ओपन हार्ट सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ती है। इसके अलावा इस तकनीक में बेकार वाल्व को सर्जरी करके हटाया भी नहीं जाता है। इस पद्धति से रिप्लेसमेंट के दौरान उपकरण को पांव की एक धमनी के माध्यम से डाला जाता है। इसके बाद धमनियों के जरिए हार्ट के भीतर पहुंचाया जाता है। उन्होंने

जानकारी देते वरिष्ठ कार्डियक सर्जन डॉ पीके हाजरा ● जागरण

बताया कि एक बार लग जाने पर यह उपकरण फैलता है और मूल वाल्व के काम की जगह ले लेता है। इसके साथ ही ऑक्सीजन युक्त रक्त हार्ट में कुशलतापूर्वक प्रवाह करता है।

कुछ वर्षों में एयरोटिक वाल्व स्टेनोसिस के इलाज के तरीके को टीएवीआइ बदल देगा। इतना ही नहीं यह नवीनतम प्रक्रिया ओपन हार्ट सर्जरी की जगह ले लेगा। क्योंकि ओपन हार्ट सर्जरी के मुकाबले इस तकनीक से मरीज को कम समय तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ता है।

Copyright of the article is with the publication